कुमुद दीवान

अकादेमी पुरस्कारः संगीत की अन्य प्रमुख परम्पराएँ (ठुमरी)

बिहार के मधुबनी में 1 अप्रैल 1961 को जन्मी, श्रीमती कुमुद दीवान ने श्रीमती अनिमा दासगुप्ता, श्रीमती शांति हीरानंद और श्री भोलानाथ मिश्रा जैसे गुरुओं के संरक्षण में हिन्दुस्तानी संगीत का प्रशिक्षण प्राप्त किया। इसके बाद आपने श्री छन्नूलाल मिश्र के मार्गदर्शन में अपनी कला को निखारा। आपका सम्बंध बनारस घराने से है।

बिजनेस स्टडीज में पीएच.डी. श्रीमती दीवान ने देश के कई प्रतिष्ठित संगीत समारोहों में अपनी प्रस्तुतियाँ दी है। आप कई प्रतिष्ठित सांस्कृतिक संस्थानों से भी जुड़ी रही हैं। आप वाराणसी में बागेश्वरी देवी ललित कला ठुमरी एकेडमी में विजिटिंग फैकल्टी और मेंटर रही हैं। आप 2014–16 तक डीडी भारती चौनल के सलाहकार बोर्ड की सदस्या रही हैं। वर्ष 2017–2019 तक लोकसभा टीवी द्वारा प्रदर्शन कलाओं पर प्रस्तुत श्रृंखला, कला संवाद की आप क्यूरेटर भी रही हैं।

श्रीमती कुमुद दीवान ने विभिन्न प्रतिष्ठित सांस्कृतिक संस्थानों में संगीत पर कई संगोष्ठियों और कार्यशालाओं का आयोजन किया है। आप दिल्ली और वाराणसी में थीम आधारित ठुमरी उत्सवों की नियमित आयोजक हैं।

हिन्दुस्तानी गायन संगीत के क्षेत्र में योगदान के लिए, आपको विभिन्न सांस्कृतिक संस्थानों द्वारा कई प्रतिष्ठित उपाधियों और पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है जिनमें वागयोग चेतना पीठ वाराणसी द्वारा दिया गया वागयोग सम्मान (2017); काशी विद्वत परिषद द्वारा दिया गया काशी विद्वत परिषद सम्मान (2019); और अटल सम्मान समिति द्वारा दिया गया अटल शिखर सम्मान (2020) शामिल हैं।

श्रीमती कुमुद दीवान को संगीत की अन्य प्रमुख परम्पराओं (ठुमरी) में योगदान के लिए वर्ष 2021 के संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

KUMUD DIWAN

Akademi Award: Other Major Traditions of Music (Thumri)

Born on 1 April 1961 at Madhubani in Bihar, Shrimati Kumud Diwan received her training in Hindustani music from Shrimati Anima Dasgupta, Shrimati Shanti Hiranand and Shri Bhola Nath Mishra. She later groomed her art under the tutelage of Shri Channulal Mishra. She belongs to the Banaras gharana.

A Doctorate in Business Studies, Shrimati Diwan has performed in many prestigious music festivals in the country. She has been associated with many prestigious cultural institutions too such as the visiting faculty and the mentor for the Bageshwari Devi Lalit Kala Thumri Academy at Varanasi, Uttar Pradesh. She has been the Advisory Board Member at D.D. Bharati Channel from 2014-16 and the Curator of Kala Samvad, a series on the performing arts of the Lok Sabha TV between 2017-2019.

Shrimati Kumud Diwan has conducted many seminars and workshops on music in various prestigious cultural institutions. She is the regular organizer of theme-based festivals of thumri in Delhi and Varanasi.

For her contribution in the field of Hindustani vocal music, she has been honoured with many prestigious titles and awards from various cultural institutions in India. These include the Vagyog Samman given by Vagyog Chetna Peeth Varanasi (2017); the Kashi Vidwat Parishad Samman by the Kashi Vidwat Parishad (2019); and the Atal Shikhar Samman by the Atal Samman Samiti (2020).

Shrimati Kumud Diwan receives the Sangeet Natak Akademi Award for the year 2021 for her contribution to other major traditions of music – Thumri.